Regarding issues pertaining to farmers of Eastern Uttar Pradesh

श्री राम प्रसाद चौधरी (बस्ती) : मान्यवर, मैं आपकी अनुमति से कहना चाहता हूं कि हमारे पूर्वी उत्तर प्रदेश में किसानों के हित के लिए वर्ष 1978 में दो जिलों के लिए सरयू परियोजना शुरू की गई थी । वर्ष 1982 में इसे पूर्वी उत्तर प्रदेश के दस जिलों में लागू करने का काम किया गया था और ?राष्ट्रीय सरयू परियोजना? के नाम से शुरू किया गया था ।

मान्यवर, लगभग दस हजार करोड़ रुपए की लागत से यह सात हजार किलोमीटर की यह नहर बनी हुई है । 11 दिसंबर, 2021 को इस देश के माननीय प्रधान मंत्री जी ने बलरामपुर में पहुंचकर इस नहर को राष्ट्र को समर्पित किया था ।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि आज भी जो पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिले हैं, जैसे बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बस्ती, संत कबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, गोरखपुर, महाराजगंज, ऐसी जगहों पर जब पानी जाता है, तो नहर की कटान होती है । किसानों की हजारों एकड़ जमीन में जलभराव हो जाता है । चाहे रबी की फसल हो, चाहे धान की रोपाई का समय हो, किसान अपनी फसल कर नहीं पाता है ।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से भारत की सरकार के जल शक्ति मंत्री जी से मांग करना चाहता हूं कि वे पुन: इसका सर्वे कराकर जो मेन नहर है, उसको पक्का करने का काम करने का कष्ट करें । बहुत से किसानों का अभी मुआवजा बाकी है, उसे देने का काम भी सरकार करे ।

इन्हीं शब्दों के साथ आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए मैं अपनी बात समाप्त करता हूं ।

धन्यवाद ।

12.18 hrs

(Shrimati Sandhya Ray *in the Chair*)